मूल्य – 5 रु.

तारांशु
मासिक

नवम्बर – दिसम्बर 2025
वर्ष 11, अंक 4, पृ.सं. 20

जुलाई, 2025 में रामनाथ कोविंद फाउंडेशन और तारा संस्थान उदयपुर के सयुंक्त रूप से दिल्ली में प्रथम विशाल निशुल्क EYE CAMP में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी

"उम्मीद की वापसी"

+91 9549399993
+91 9649399993

तारा संस्थान उदयपुर के वृद्धाश्रम के मेडिकल वार्ड में सेवा और उपचार के दौरान हमारे परिवार के नए सदस्य सेलवराज जी।

"आनन्द वृद्धाश्रमों हेतु भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रमों में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"	वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"	वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 1,00,000/-	रु. 51,000/-	रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन
1 वर्ष - 60000 रु., 6 माह - 30000 रु., 1 माह - 5000 रु.	4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

काशी में कराएँ गरीबों को भोजन

संस्थान द्वारा काशी में गरीबों को भोजन

कहते हैं कि भूखे को भोजन करवाकर न सिर्फ मन वरन् अंतरात्मा भी संतृप्त होती है। आप भी

रु. 2100/-

दान देकर 50 निर्धन लोगों की क्षुधा शांत कर काशी विश्वनाथ की धरा वाराणसी में पुण्य लाभ कमा सकते हैं।

हर छोटा बदलाव बड़ी कामयाबी का हिस्सा होता है

''तारा संस्थान, उदयपुर'' राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक : 31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009 द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद :
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार :
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
परम विशिष्ट संरक्षक, तारा संस्थान
शिक्षाविद् व समाजसेवी, दिल्ली

संरक्षक मण्डल :

स्व. श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
दिल्ली

श्रीमती लता - श्री लक्ष्मण दास भाटिया
मुम्बई

डॉ. ओ.सी. जैन
रतलाम (म.प्र.)

श्री एस.एन. गोयल (एडवोकेट)
दिल्ली

श्री प्रेम सागर गुप्ता
मुम्बई

श्रीमती इला - श्री अनिल गोयल
दिल्ली

श्रीमती राजरानी - (स्व.) श्री राजेन्द्र कुमार जैन
दिल्ली

प्रकाशक एवं सम्पादक :
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक :
दीपेश मित्तल

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर :
गौरव अग्रवाल

तारांशु - वर्ष 11, अंक - 4, नवम्बर-दिसम्बर, 2025

अनुक्रमणिका

विषय ... पृष्ठ संख्या

योजनाएँ ... 02
अनुक्रमणिका ... 03
लेख : बढ़ती ठंड... और... बढ़ती रोगियों की कतारें ... 04-05
नए ''आनन्द वृद्धाश्रम'' (500 बेड) हेतु भूमि दान योजना ... 06
उम्र नहीं जज्बा मायने रखता है / मोक्ष की तलाश में आए बुजुर्गों की सेवा ... 07
विधवा मासिक पेंशन योजना / अन्नदान योजना ... 08
जहाँ जरूरत सबसे ज्यादा, वहाँ सेवा सबसे पहले / फिर लौटी नज़रों की रोशनी ... 09
मस्ती की पाठशाला ... 10
उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल - लोनी (गाजियाबाद) ... 11
सरकारी स्कूलों में नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर / सर्दी में राहत ... 12
शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर का 10वाँ वार्षिक उत्सव / आर.जी.एच.एस ... 13
नया आशियाना, नई उम्मीदें - हमारे नए बुजुर्ग साथियों की कहानी ... 14
न्यूज़ इन ब्रीफ ... 15-16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स / पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना / हार्दिक श्रद्धांजलि ... 17
अभिनन्दन ... 18
संपर्क सूत्र - तारा संस्थान ... 19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य माता पिता डॉ. कैलाश "मानव" तथा श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सानिध्य में...

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान उदयपुर के अस्पताल के वार्ड में मरीजों संग श्री नेमीचंद जी, उनकी धर्मपत्नी एवं परिवार के सदस्य

बढ़ती ठंड... और... बढ़ती रोगियों की कतारें...

मेरा बहुत ज्यादा विदेश जाना नहीं हुआ लेकिन जिन भी दो–तीन देशों में मैं गया वहाँ जाकर मुझे लगा कि प्रकृति ने हमें कितना सुन्दर वरदान दिया है, हम बचपन में पढ़ते थे कि भारत 6 ऋतुओं का देश है तो नन्हीं समझ में ज्यादा कुछ आता नहीं था बस उन ऋतुओं को रट लिया जाता था ताकि एग्जाम में अच्छे नंबर आ जायें। जब आप दुबई या कोई खाड़ी के देश जायें तो पेट्रोडालर से चमचमाती ईमारते तो दिखती है लेकिन हरियाली के नाम पर तो कुछ झाड़ियाँ भी नहीं मिलती है नदी नाले और पर्वत तो आप भूल ही जाओ। इंग्लैण्ड या यूरोप में यदि जाये तो वहाँ हरियाली तो मिलेगी लेकिन ठंड इतनी कि साल के 8 महीने तो आप बिना हीटर के जी ही नहीं पाओ और इसपर ये भी कि कभी दिन बहुत बड़े तो कभी राते यानी कि दिन रात का अनुपात भी गड़बड़।

हमारे यहाँ तो प्रकृति ने इतनी कृपा कर रखी है कि हम पूरे साल में सर्दी–गर्मी–बरसात सभी का सही मात्रा में आनन्द ले सकते हैं। ये आज का यह लेख जब लिखने बैठा तो ये सब भूमिका इसलिए बनाई कि इन दिनों तारा संस्थान के आँखों के अस्पतालों में रोगियों का तांता लगा रहता है।

उदयपुर में आज यानी जनवरी के मध्य में कोई ऑपरेशन कराने आए तो उन्हें अप्रैल की ऑपरेशन की दिनांक दी जाती है लगभग 2000 से अधिक रोगी तो उदयपुर में ही वेटिंग में हैं वो भी तब जब रोज आँखों के ऑपरेशन तो हो रहे है साथ ही Sunday या अन्य छुट्टी वाले दिन भी बाहर से डॉक्टर साहब को बुला कर ऑपरेशन करवाए जाते हैं। भारत में आँखों के ऑपरेशन को भी सर्दियों के मौसम में करवाने की मानसिकता है। रोगियों को लाख समझाने की कोशिश करते हैं कि आधुनिक उपकरणों से ऑपरेशन में मौसम का कोई फर्क नहीं है पर जो वर्षों की मानसिकता है उसे बदलना आसान नहीं है।

हार तो वो सबक है, जो आपको बेहतर होने का मौका देगी

तारा संस्थान के उदयपुर के आनंद वृद्धाश्रम विजिट के दौरान नेमीचंद जी सपरिवार

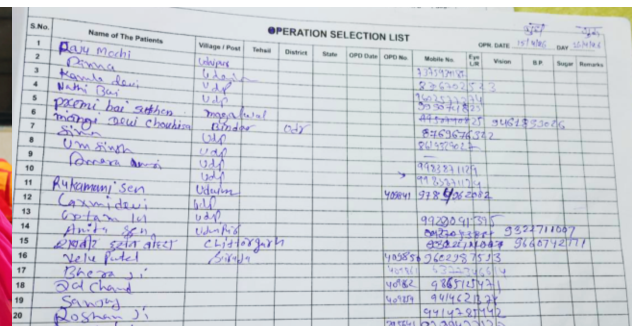

अप्रैल तक मरीजों की वेटिंग लिस्ट में से कुछ के नाम ।

इतने सारे रोगी जब आते हैं तो यत्न ये रहता है कि किन्हीं को भी निराशा ना हो ऐसी व्यवस्था की जाये और व्यवस्था में सिर्फ डॉक्टर स्टाफ दवाइयाँ या स्थान ही नहीं उन सबको चलाने के लिए धन भी जरूरी होता है तब हम हमारे डोनर्स से अपील करते है कि इस वेटिंग को कम करने में अपना सहयोग दें ताकि हम अधिक से अधिक लोगों को आँखों की रोशनी दे पायें और आप सभी इसमें अपना हरसंभव योगदान देते हैं। ऐसे मैं हम जयपुर निवासी श्री नेमीचन्द जी जैन और उनके परिवार को कैसे भूल सकते हैं जो उनके परिवार के विशेष अवसरों पर उदयपुर की वेटिंग मंगवाते है और जो भी लिस्ट उन्हें भेजी जाती है उसके सभी ऑपरेशन वो करवा देते हैं और ऐसा उनके द्वारा पिछले 3–4 साल से किया जा रहा है।

इसी तरह उनके जैसे कई डोनर भी तारा के इन ऑपरेशनों की वेटिंग को कम करने में अपना योगदान देते हैं। कोई 2 ऑपरेशन कोई 5 कोई 10 इस तरह मदद आती जाती है और लोगों की आँखों से मोतियाबिन्द हट कर रोशनी आ जाती है।

तारा नेत्रालय जब शुरू हुए थे तब बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि इतनी संख्या में लोग ऑपरेशन करवाने आयेंगे। कभी ये भी विचार आता है कि क्यों ना ये ऑपरेशन के लिए आने वाले असंख्य रोगियों की संख्या सीमित कर ली जायें लेकिन अभी तक तो काम चल रहा है सो चला रहे हैं क्योंकि कोई बहुत उम्मीद से यदि आए तो उनका मन तोड़ना तो पाप के समान है और उनका मन हम रख पा रहे हैं सिर्फ आप लोगों के सम्बल के कारण। मेरा हमेशा से मानना है कि सही नीयत से कुछ करें तो ईश्वर हमेशा साथ देता है और ऐसे ही कभी श्री नेमीचन्द जी जैन सा या आप में से कोई आ जाते हैं और हम ऑपरेशन किये चले जाते है आँखों के ऑपरेशन का यह सिलसिला जो अक्टूबर, 2011 से शुरू हुआ और 180000 (एक लाख अस्सी हजार) से ज्यादा ऑपरेशन 5 अस्पतालों में अभी तक हो गए इसके सहभागी होने के लिए आपको अनेकों धन्यवाद हैं।

ये जो ''तारा संस्थान'' की दुनिया है थोड़ी विचित्र है जहाँ देने और लेने वाले दोनों ही एक दूसरे को नहीं जानते और यश संस्था को मिलता है लेकिन ये जरूर है कि जो भी यहाँ आकर नेत्र ज्योति लेकर जाता है उनके अंदर से मूक दुआएँ निकलती है जो कि ''तारा'' से जुड़े हर व्यक्ति तक जाती है चाहे वो डॉक्टर, नर्स या सफाई कर्मचारी ही क्यों ना हो और हमारे दानदाता यानी कि आप उनके सबसे बड़े पात्र हैं।

आशा है आपका सहयोग इस बार भी इन प्रतीक्षा सूची वालों की उम्मीद पूरी करेगा।

आदर सहित...!

– दीपेश मित्तल

नए "आनन्द वृद्धाश्रम" (500 बेड) हेतु भूमि दान योजना

3 फरवरी, 2012 को तारा संस्थान ने निराश्रित बुजुर्गों हेतु एक घर बनाया नाम रखा "आनन्द वृद्धाश्रम" एक ऐसा घर जहाँ नाम अनुरुप खुशियाँ हो, जहाँ अपनों से दुःखी होकर जीवन की सांझ तकलीफों में गुजारने वाले थोड़ा सुकून पा सके। शुरुआत 25 बुजुर्गों से की और लगा ये भरेगा क्या? लेकिन सोच के विपरीत ये घर बहुत जल्दी भर गया।

ईश्वर का आशीर्वाद और आप लोगों का प्यार और साथ मिलता गया और ये घर बड़ा होता गया। प्रयास बस यही रहा कि कोई उम्मीद लेकर आए और उन्हें सिर्फ इसलिए निराश ना होना पड़े कि वृद्धाश्रम में जगह नहीं है। अभी उदयपुर, प्रयागराज और काशी में मिलाकर 350 से अधिक बुजुर्ग तारा संस्थान के वृद्धाश्रमों में रहते है लेकिन फिर भी हर बार जगह छोटी हो जाती है। इस घर के सदस्यों के बढ़ने में प्रसन्न हों या ना हो ये प्रश्न का जवाब हम आप पर छोड़कर ये प्रयास करते हैं कि कोई आए और निराश ना जाए।

वृद्धाश्रम में रहने आने की चाहना रखने वाले कई पत्र मेल और मैसेज आते हैं और इसी तरह चलता रहा तो क्या? इसके उत्तर स्वरूप उदयपुर शहर में एक भूमि 47900 वर्गफुट तारा संस्थान ने ली है विचार यह है कि एक वृद्धाश्रम भवन बने और साथ ही संभव हुआ तो उदयपुर स्थित शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल भी यहीं हो जिससे बुजुर्गों को बच्चों की खुशियाँ भी मिल जायेगी।

यह दृढ़ विश्वास है कि मनुष्य कितना भी प्रयास कर ले सफलता तभी मिलती है जब ईश्वर का साथ हो और यह बड़ा प्रायोजन इसलिए हो रहा है कि आने वाले 8 से 10 वर्ष तो किन्हीं भी बुजुर्ग को निराश न होना पड़े।

इस भूमि के लिए आपका छोटा सा दान इस नेक काम में आपका सहयोग होगा और "साथी हाथ बढ़ाना...." को चरितार्थ कर देगा। इसी विश्वास के साथ कि तारा संस्थान को आप "थकने नहीं देंगे" और बुजुर्गों की जीवन संध्या को आनन्दमय बनाने में अपना योगदान देंगे, यह भूमि हेतु दान की योजना आपके सन्मुख प्रस्तुत है।

भूमि दान सौजन्य राशि :

भूमि सेवा "रत्न" सहयोगी	भूमि सेवा "मनीषी" सहयोगी	भूमि सेवा "भूषण" सहयोगी
रु. 100000/-	**रु. 51000/-**	**रु. 21000/-**

शिक्षा का उच्चतम परिणाम सहनशीलता है

उम्र नहीं, जज्बा मायने रखता है

9 नवम्बर, 2025 को आज बनारस में आयोजित सीनियर सिटीजन मैराथन 2025 में मुमुक्षु भवन की निवासी श्रीमती टी. अरुणा देवी ने महिला वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर सभी का मन गर्व से भर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे : श्री प्रखर कुमार सिंह (IAS), मुख्य विकास अधिकारी, वाराणसी, श्रीमती पूनम मौर्या, अध्यक्ष – जिला पंचायत, श्री गिरीश दूबे, जिला समाज कल्याण अधिकारी CDO श्री प्रखर कुमार सिंह ने अरुणा देवी को सम्मानित किया और उनकी प्रेरणादायक ऊर्जा की सराहना की। तारा संस्थान के लिए यह गर्व का क्षण है कृ जब हमारे मुमुक्षु भवन की निवासी यह संदेश दे रही हैं कि उम्र नहीं, जज़्बा ही असली ताकत है।

मुमुक्षु भवन (काशी विश्वनाथ मंदिर कॉरिडोर में स्थित)
मोक्ष की तलाश में आए बुजुर्गों की सेवा

मणिकर्णिका घाट के पास स्थित मुमुक्षु भवन का तारा संस्थान द्वारा निःशुल्क संचालन किया जाता है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार काशी में मृत्यु से मोक्ष की प्राप्ति होती है, इस इच्छा से कई बुजुर्ग यहाँ रहने आते हैं। उनके लिए रहना, भोजन, देखभाल – सब कुछ पूरी तरह निःशुल्क है।

मुमुक्षु भवन के बुजुर्गों हेतु भोजन 3100 रु. (एक समय)

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) : बेटी की आँखों में सपने... और माँ के मन में डर

रेखा रावत की उम्र सिर्फ 44 साल है, लेकिन जीवन की कठिनाइयों ने उनके चेहरे पर गहरी लकीरें खींच दी हैं। एक विधवा महिला, जिनके कंधों पर घर चलाने और दो बेटियों की परवरिश की पूरी जिम्मेदारी है। बड़ी बेटी की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी 14 साल की बेटी आठवीं कक्षा में पढ़ रही है दृ वह रेखा की जिंदगी का सहारा भी है और सबसे बड़ी चिंता भी।कुछ वर्ष पहले तक रेखा का परिवार थोड़ा सुकून से चल रहा था। पति मजदूरी करते थे, मेहनत बहुत थी लेकिन दो वक्त की रोटी मिल जाती थी। फिर अचानक बुखार ने सब छीन लिया। पति की मौत हो गई, और रेखा अकेली पड़ गईं। सास तो हैं, लेकिन अलग रहती हैं, कोई साथ नहीं। खुद रेखा को भी हाई ब्लड प्रेशर और शुगर की बीमारी ने घेर रखा है। दवाइयों का खर्च, डॉक्टर के चक्कर, और घर का बोझ दृ सब कुछ अकेले संभालना पड़ता है। घर में कमाने वाला कोई और नहीं।रोजी–रोटी के लिए रेखा सुबह से लोगों के घरों में झाड़ू–पोंछा करने निकल पड़ती हैं। कभी–कभी सामाजिक कार्यक्रमों में पूड़ी बनाने का काम मिल जाता, लेकिन वह भी रोज कहाँ। ज्यादातर दिन खाली हाथ लौटना पड़ता। छोटी बेटी जब स्कूल की फीस, किताबें या यूनिफॉर्म की बात करती, तो रेखा का दिल बैठ जाता। ष्इसे कैसे पढ़ाऊँगी? इसके सपने कैसे पूरे होंगे?ष दृ रातें चिंता में गुजरतीं। आर्थिक तंगी इतनी कि कभी–कभी दवाइयाँ भी छोड़नी पड़तीं।एक दिन किसी ने रेखा को उदयपुर के तारा संस्थान के बारे में बताया। हिचकिचाते मन से उन्होंने संपर्क किया। मदद माँगना उनके लिए आसान नहीं था, लेकिन बेटी के भविष्य के लिए हिम्मत की। तारा संस्थान ने उनकी स्थिति समझी और अपने दानदाताओं के सहयोग से चल रही श्गौरी योजनाश के तहत उन्हें हर महीने 1000 रुपये की मासिक पेंशन शुरू कर दी। वह पहला महीना... जब पैसे आए, रेखा की आँखें भर आईं। बेटी की फीस जमा हुई, नई किताबें आईं, दवाइयाँ नियमित हुईं। अब रातें चिंता में नहीं, सपनों में गुजरती हैं। रेखा की मुस्कान लौट आई, आँखों में उम्मीद की चमक। ये 1000 रुपये भले छोटी रकम लगें, लेकिन रेखा के लिए जीवनदायिनी बन गए। अब बेटी की फीस समय पर जमा हो जाती है, किताबें आ जाती हैं। दवाइयाँ नियमित मिल रही हैं। रेखा की आँखों में अब उम्मीद की चमक लौट आई है।रेखा कहती हैं, ष्यह पेंशन मेरी बेटी के सपनों को उड़ान दे रही है। तारा संस्थान ने मुझे सिर्फ पैसे नहीं, बल्कि सम्मान और नई जिंदगी दी।ष्रेखा जैसी असंख्य विधवाएँ अकेले संघर्ष कर रही हैं। लेकिन तारा संस्थान की गौरी योजना जैसी पहलें साबित करती हैं कि दानदाताओं की करुणा से कितने जीवन संवर सकते हैं। एक छोटी मदद से बड़े सपने हकीकत बन सकते हैं। रेखा की बेटी अब आगे पढ़कर बड़ा बनना चाहती है, और रेखा को पूरा विश्वास है – अब यह सपना जरूर पूरा होगा।

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) योजना सौजन्य सहायता: प्रति विधवा 1 वर्ष - 12000 रु., 6 माह - 6000 रु., 1 माह - 1000 रु.

अन्नदान (तृप्ति) योजना : अकेलेपन में सहारा बनी तृप्ति योजना

उदयपुर के एक छोटे से ग्रामीण इलाके में रहने वाली 94 वर्षीय लीला बाई अपनी उम्र और जीवन दोनों के आखिरी पड़ाव पर हैं। बहुत पहले ही उनके पति का देहांत हो गया था। ना कोई संतान, ना कोई अपना कृ जीवन का सफ़र वे बिल्कुल अकेले तय कर रही हैं। उम्र ने उनके हाथ–पैरों की ताकत छीन ली है। अब न तो वे कोई काम कर सकती हैं, न रोज़मर्रा की जरूरतें खुद पूरी कर पाती हैं। पड़ोसी और आस–पास के दयालु लोग ही उन्हें कभी–कभार भोजन दे देते हैं, और उसी के सहारे लीला बाई अपना दिन काटती चली जाती हैं। उनकी नाजुक हालत को देखकर तारा संस्थान ने उन्हें अपनी तृप्ति योजना का हिस्सा बनाया। हमारे दानदाताओं के सहयोग से लीला बाई को हर महीने राशन का पूरा सामान और 300 रुपये की सहायता दी जाती है, ताकि उन्हें भूख, चिंता और असुरक्षा के साथ जीवन न बिताना पड़े। तृप्ति योजना के इस छोटे से सहयोग ने लीला बाई के जीवन में बड़ा संबल दिया हैकृजहां पहले हर दिन संघर्ष था, वहीं अब उन्हें पता है कि कोई है जो उनका अपना बनकर खड़ा है। तारा संस्थान का लक्ष्य यही है कृ ऐसे अकेले, असहाय और वृद्ध लोगों को सम्मान, सुरक्षा और भरोसे का जीवन देना, ताकि वे भी अपने शेष जीवन को गरिमा के साथ जी सकें।

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सौजन्य सहायता: 1 वर्ष - 18000 रु., 6 माह - 9000 रु., 1 माह - 1500 रु.

सफल होने के लिए, असफल होना बहुत जरूरी है

जहाँ ज़रूरत सबसे ज्यादा, वहाँ सेवा सबसे पहले

अब तक की उपलब्धियाँ :
156 निःशुल्क नेत्र-जांच शिविर,
28888 ग्रामीण व आदिवासी लाभार्थी
1837 सफल फ्री मोतियाबिंद ऑपरेशन

पूरी तरह निःशुल्क सुविधाएँ :
आंखों की जांच, नंबर वाला चश्मा
दवाईयाँ, उदयपुर अस्पताल में
मोतियाबिंद ऑपरेशन यात्रा
व्यवस्था रहने-खाने की सुविधा

लक्ष्य :
सिरोही जिले में कोई भी व्यक्ति
आर्थिक अभाव के कारण दृष्टि न खोए।

तारा संस्थान द्वारा SBIF के सहयोग से राजस्थान के सिरोही जिले के ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में अप्रैल 2024 से निरंतर निःशुल्क नेत्र–जांच शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इन इलाकों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी और आँखों के रोगों के प्रति जागरूकता के अभाव को देखते हुए, यह पहल हजारों लोगों के लिए जीवन–परिवर्तनकारी साबित हो रही है। इन शिविरों में अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों की टीम द्वारा सभी आयु वर्ग के लोगों की फ्री आंखों की जांच की जाती है। जांच के बाद जरूरतमंद रोगियों को निःशुल्क चश्मे, दवाइयाँ, तथा सुरक्षा संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन दिया जाता है। तारा संस्थान ठष्ठ के निरंतर सहयोग और सिरोही जिले के लोगों के विश्वास के लिए आभार व्यक्त करता है। संस्थान आगे भी इस सेवा को और अधिक गांवों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि कोई भी व्यक्ति आर्थिक अभाव के कारण दृष्टि न खोए।

फिर लौटी नज़रों की रौशनी – चूनाराम जी की कहानी

सिरोही जिले के 75 वर्षीय चूनाराम जी के जीवन में पिछले कुछ वर्षों से अंधेरा सा छा गया था। धीरे–धीरे उनकी आँखों की रोशनी कम होती चली गई, और एक समय ऐसा आया जब वे अपने रोज़मर्रा के छोटे–छोटे काम भी खुद नहीं कर पाते थे। घर की आर्थिक स्थिति भी कमजोर थी कृ चारों बेटे मजदूरी करके किसी तरह परिवार का गुजारा करते हैं। ऐसे में इलाज करवाना उनके लिए संभव नहीं था। तीन साल से धुंधलेपन के साथ जीते हुए चूनाराम जी ने जैसे उम्मीद ही छोड़ दी थी। तभी उनके गाँव में तारा संस्थान और SBIF द्वारा निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने वहाँ अपनी आँखों की जाँच करवाई और डॉक्टरों ने उन्हें ऑपरेशन की सलाह दी। तारा संस्थान के अस्पताल में निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन किया गया, और कुछ ही दिनों में उनकी आँखों की रौशनी लौट आई। ऑपरेशन के बाद जब चूनाराम जी ने साफ–साफ देखना शुरू किया, तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मुस्कुराते हुए वे बोले : "अब मैं अपने खुद के काम आराम से कर सकता हूँ। तारा संस्थान ने मुझे फिर से आत्मनिर्भर बना दिया।" आज चूनाराम जी न सिर्फ बेहतर देख पा रहे हैं, बल्कि अपने जीवन में फिर से आत्मविश्वास और रौशनी महसूस कर रहे हैं।

31 दिसम्बर, 2025 तक कुल ओपीडी 3517658, कुल ऑपरेशन 188986

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन):
17 ऑपरेशन 59500 रु., 9 ऑपरेशन 31500 रु., 6 ऑपरेशन 21000 रु., 3 ऑपरेशन 10500 रु., 1 ऑपरेशन 3500 रु.

मस्ती की पाठशाला : संघर्ष की धरती पर उगती उजाले की किरण

उदयपुर की कच्ची बस्ती में रहने वाली 13 वर्षीय तेजस्वी बचपन से ही कठिनाइयों के बीच पली–बढ़ी है। जन्म के समय ही उसकी माँ ने दुनिया को अलविदा कह दिया, और दुख की बात यह है कि बेटी के जन्म की खबर सुनकर उसके पिता न तो उसे देखने अस्पताल आए, न ही कभी वापस लेने। तेजस्वी तब से अपने नानादृनानी के साथ ही रही। वर्षों तक नाना उसका सहारा बने रहे, लेकिन अब उनका भी देहांत हो चुका है। आज तेजस्वी की दुनिया सिर्फ उसकी नानी हैंकृएक मजबूत और सरल हृदय वाली महिला, जो कच्ची बस्ती में एक छोटी सी किराने की दुकान चलाकर दोनों का गुजारा किसी तरह करती हैं। घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद नानी ने अपनी पोती की पढ़ाई कभी नहीं रोकी। तेजस्वी के भविष्य को संवारने का सपना उनकी सबसे बड़ी ताकत है। पिछले चार वर्षों से तेजस्वी तारा संस्थान द्वारा उदयपुर में संचालित मस्ती की पाठशाला में पढ़ने आती है। यहाँ उसे न सिर्फ शिक्षा मिलती है, बल्कि एक सुरक्षित माहौल, प्रोत्साहन और वह आत्मविश्वास भी मिलता है, जिससे वह अपने जीवन को नए सपनों से सजाती है। मस्ती की पाठशाला तेजस्वी के लिए सिर्फ एक स्कूल नहींकृबल्कि नई उम्मीदों का घर है। यहाँ वह सीखती है, मुस्कुराती है और आगे बढ़ने का साहस पाती है।

बच्चों का संदेश – भोजन बचाओ संस्कार निभाओ

3 दिसम्बर, 2025 को तारा संस्थान द्वारा संचालित मस्ती की पाठशाला के बच्चों ने शादी के सीजन में भोजन की बर्बादी को रोकने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की। बच्चों ने आम जनता को जागरूक करने के लिए आकर्षक पोस्टर तैयार किए, जिनमें अलग–अलग स्लोगनों के माध्यम से लोगों से भोजन की बर्बादी न करने की अपील की गई।

बच्चों को स्वेटर वितरण

12 दिसम्बर, 2025 को तारा संस्थान द्वारा कच्ची बस्ती में निःशुल्क संचालित मस्ती की पाठशाला के बच्चों को दानदाताओं के सहयोग से स्वेटर वितरित किए गए। ठंड के मौसम में स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

मजदूरों के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 6000/- प्रति वर्ष

ऐसे काम करो जिससे लोगों को लगे कि आपको जीतने की आदत है

उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल – लोनी (गजियाबाद)

अन्तर्गत : तारा संस्थान – उदयपुर (राज.)

जो एकल माताओं (जिनके पति की मृत्यु हो गई है या जो अपने पति से अलग रह रही है) के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षण की व्यवस्था करता है एवं साथ ही निर्धन परिवार के बच्चों के लिए आंशिक शुल्क के साथ उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की व्यवस्था करता है।

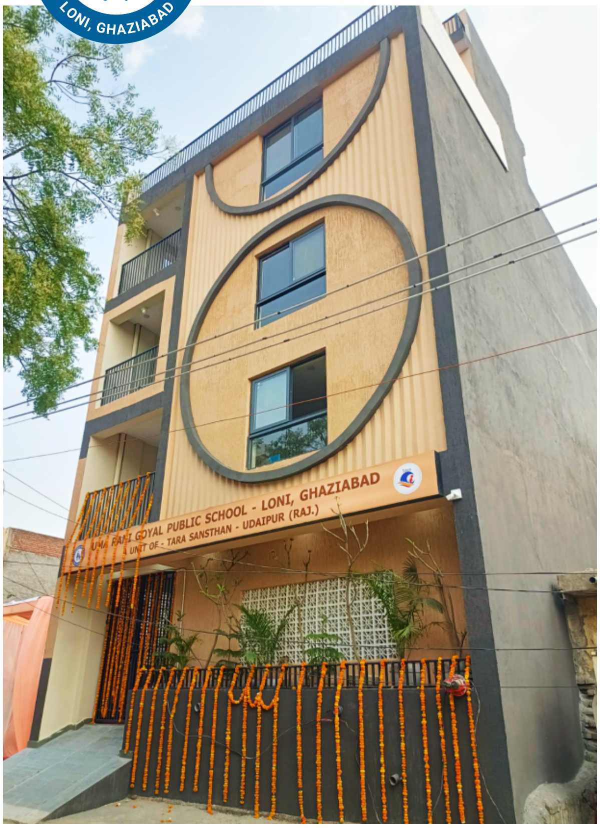

प्रिंसिपल की कलम से...

उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल एक ऐसा शैक्षणिक संस्थान है, जहाँ शिक्षा को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखते हुए बच्चों के सर्वांगीण विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। हमारा विद्यालय नर्सरी से कक्षा 5 तक के विद्यार्थियों को एक सुरक्षित, अनुशासित एवं सकारात्मक वातावरण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है।

हमारा दृढ़ विश्वास है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त करना नहीं, बल्कि बच्चों में नैतिक मूल्य, आत्मविश्वास, अनुशासन, जिम्मेदारी एवं मानवीय संवेदनाएँ विकसित करना है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यालय की प्रत्येक शैक्षणिक एवं सह–शैक्षणिक गतिविधि का संचालन किया जाता है।

विद्यालय में बच्चों के लिए सभी आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कक्षाएँ स्वच्छ, सुव्यवस्थित, हवादार एवं बच्चों के अनुकूल हैं। विद्यालय का वातावरण पूर्णतः सुरक्षित एवं प्रेरणादायक है, जहाँ बच्चे निडर होकर सीखते हैं और अपनी प्रतिभा को निखारते हैं। हमारे विद्यालय की सबसे बड़ी शक्ति हमारे योग्य, प्रशिक्षित एवं समर्पित शिक्षक हैं। सभी शिक्षक B.Ed योग्य हैं तथा आधुनिक शिक्षण विधियों का प्रयोग करते हुए बच्चों को सरल, रोचक एवं प्रभावी ढंग से पढ़ाते हैं। शिक्षक प्रत्येक विद्यार्थी की क्षमता को पहचानते हुए उस पर व्यक्तिगत ध्यान देते हैं, जिससे हर बच्चा आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सके।

विद्यालय में शैक्षणिक शिक्षा के साथ–साथ CO-CURRICULAR एवं EXTRA-CURRICULAR ACTIVITIES को विशेष महत्व दिया जाता है। बच्चों को ENGLISH SPEAKING] STAGE PERFORMANCE, GROUP ACTIVITIES] CREATIVE LEARNING तथा VALUE & BASED ACTIVITIES के माध्यम से सीखने के अवसर प्रदान किए जाते हैं। इन गतिविधियों से बच्चों में नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, आत्म–अभिव्यक्ति एवं संप्रेषण कौशल का निरंतर विकास होता है। हमारा विद्यालय बच्चों के चरित्र निर्माण, संस्कारों एवं अनुशासन पर विशेष बल देता है। यहाँ अनुशासन को डर के माध्यम से नहीं, बल्कि समझ, सम्मान एवं सकारात्मक सोच के माध्यम से विकसित किया जाता है। शिक्षक बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करते हैं, जिससे विद्यार्थी स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं और खुलकर अपनी बात साझा कर पाते हैं। अभिभावकों का विश्वास और सहयोग हमारे विद्यालय की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

PARENTS हमारे विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था, अनुशासन, गतिविधियों एवं बच्चों की प्रगति से अत्यंत संतुष्ट हैं। ADMISSION प्रक्रिया सरल, पारदर्शी एवं अभिभावक–अनुकूल है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज तक विद्यालय को किसी भी प्रकार की गंभीर शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। हम निरंतर प्रयासरत हैं कि शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा बच्चों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार किया जाए। हमारा उद्देश्य ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना है, जो न केवल शैक्षणिक रूप से सक्षम हों, बल्कि नैतिक मूल्यों से युक्त, आत्मनिर्भर एवं समाज के लिए उपयोगी नागरिक बन सकें। अंत में, मैं विद्यालय के समस्त शिक्षकों, स्टाफ सदस्यों, अभिभावकों एवं प्रिय विद्यार्थियों का हृदय से धन्यवाद करती हूँ, जिनके सहयोग, विश्वास एवं परिश्रम से UMA RANI GOYAL PUBLIC SCHOOL निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। भविष्य में भी हम इसी समर्पण, निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते रहेंगे।

प्रिंसिपल, उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल, लोनी (गाज़ियाबाद)

एकल माताओं के बच्चों के लिए दान राशि 12,000/- प्रतिवर्ष एक बालक / बालिका के लिए पूर्णतया निःशुल्क
निर्धन परिवार के बच्चों के लिए 6000/- प्रतिवर्ष एक बालक / बालिका

सरकारी स्कूलों में निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर

तारा संस्थान द्वारा उदयपुर के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्थित सरकारी स्कूलों के बच्चों के लिए उनके विद्यालय परिसर में ही निःशुल्क नेत्र जाँच शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उनके शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास को बाधित होने से रोकना है।

इन शिविरों के अंतर्गत बच्चों की आँखों की विस्तृत जाँच अनुभवी नेत्र विशेषज्ञों द्वारा की जाती है। जाँच के दौरान यदि किसी बच्चे में दृष्टि दोष या आँखों से संबंधित कोई समस्या पाई जाती है, तो उसे आवश्यक दवाइयाँ तथा ज़रूरत अनुसार नज़र के चश्मे निःशुल्क प्रदान किए जाते हैं।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे ऐसे परिवारों से आते हैं, जहाँ आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण आँखों की नियमित जाँच या चश्मा बनवाना संभव नहीं हो पाता। ऐसे में दृष्टि की समस्या बच्चों की पढ़ाई पर सीधा असर डालती है। तारा संस्थान की यह पहल इन बच्चों के लिए न केवल स्वास्थ्य सुविधा है, बल्कि बेहतर शिक्षा और आत्मविश्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम भी है। संस्थान का मानना है कि स्वस्थ आँखें ही बच्चों को सपनों की दुनिया देखने और उन्हें साकार करने की शक्ति देती हैं। दानदाताओं के सहयोग से संचालित यह अभियान आज अनेक बच्चों के जीवन में रोशनी ला रहा है और उनके भविष्य को सुरक्षित बना रहा है। तारा संस्थान का यह निरंतर प्रयास है कि कोई भी बच्चा केवल आर्थिक अभाव के कारण अपनी आँखों की रोशनी और शिक्षा से वंचित न रह जाए।

सर्दी में राहत – बच्चों के चेहरों पर मुस्कान

तारा संस्थान अपने दानदाताओं के सहयोग से उदयपुर के ग्रामीण इलाकों में सरकारी स्कूल के बच्चों को स्वेटर वितरित कर रहा है, ताकि इस कड़ाके की ठंड में बच्चों को ठंड से राहत मिल सके। ये बच्चे ऐसे परिवारों से आते हैं, जहाँ माता–पिता की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और ठंड के मौसम में गर्म कपड़ों की व्यवस्था करना उनके लिए कठिन हो जाता है। ऐसे में एक स्वेटर न सिर्फ ठंड से बचाव करता है, बल्कि बच्चों को स्कूल आने और पढ़ाई जारी रखने का भी हौसला देता है। हमारे सभी दानदाताओं का हृदय से धन्यवाद, जिनके सहयोग से जरूरतमंद बच्चों तक यह गर्माहट पहुँच पा रही है। आपका छोटा–सा सहयोग किसी बच्चे की सर्दी आसान बना सकता है।

बच्चों के स्वेटर के लिए आप निम्न राशि हमें भेज सकते हैं:

स्वेटर की संख्या 20 - सौजन्य राशि रु. में 5000/-
स्वेटर की संख्या 40 - सौजन्य राशि रु. में 10000/-

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे सोचो विचारों पर किसी का अधिकार नहीं है – धीरूभाई अंबानी

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल, उदयपुर का 10वाँ वार्षिक उत्सव

तारा संस्थान द्वारा उदयपुर में विधवा महिलाओं के बच्चों की निःशुल्क शिक्षा हेतु संचालित शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल ने आज अपना 10वां वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर बच्चों ने रंगारंग डांस प्रस्तुतियाँ, मनोरंजक नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और आत्मविश्वास देखकर हर चेहरा खुशी से खिल उठा। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर केक काटा और इस उपलब्धि का उत्सव मनाया। यह दिन शिक्षा, संस्कार और उम्मीदों के 10 सफल वर्षों का प्रतीक बना।

RGHS

Rajasthan Government Health Scheme

तारा नेत्रालय उदयपुर में अब RGHS की सुविधा भी उपलब्ध जहाँ राज्य सरकार के कर्मचारी भी अपना या अपने परिजनों के मोतियाबिंद का ऑपरेशन करा सकते हैं और RGHS में मिलने वाली सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

RGHS सुविधा की शुरुआत 14 दिसम्बर, 2024 से एवं 31 दिसम्बर, 2025 तक ओपीडी 894, ऑपरेशन 207

अगर आप सफल होना चाहते हो तो आपको अपने काम में एकाग्रता लानी होगी – बिल गेट्स

नया आशियाना, नई उम्मीदें – हमारे नए बुजुर्ग साथियों की कहानी

एक चुनौती, एक निर्णय और फिर लौट आई एक ज़िंदगी

60 वर्षीय सेलवराज अहमदाबाद के सीतापुर क्षेत्र के निवासी हैं। एक साधारण–सी सुबह उनकी ज़िंदगी उस समय बदल गई, जब एक सड़क दुर्घटना में उनके सिर पर गंभीर चोट लगी। इस दुर्घटना ने उनके शरीर के दाहिने हिस्से को पूरी तरह लकवाग्रस्त कर दिया। चलना, बोलना और स्वयं भोजन करनाकृसब कुछ एक झटके में छिन गया। सेलवराज की देखभाल की पूरी जिम्मेदारी उनकी एकमात्र संतान, बेटी, पर आ गई। पिता के इलाज के लिए वह उन्हें लेकर उदयपुर पहुँचीं, जहाँ उनके पति नौकरी करते हैं। लेकिन परिस्थितियाँ सरल नहीं थीं। घर की अपनी मजबूरियाँ, सीमित संसाधन के कारण पिता का इलाज और उनकी दिन–रात की देखरेख उनके लिए अत्यंत कठिन हो गई। सेलवराज की स्थिति इतनी गंभीर थी कि उन्हें नली के माध्यम से भोजन और पानी देना पड़ता था। बेटी एक–एक करके कई अस्पतालों में पिता को लेकर गईं, लेकिन हर जगह डॉक्टरों की एक ही सलाह थीकृसही देखभाल, समय पर दवा और नियमित भोजन। इसके लिए उन्हें घर पर ही रखने की सलाह दी गई। परंतु वह अपने पिता को अपने घर ले जाने की स्थिति में नहीं थीं। उन्हें ऐसी जगह की तलाश थी, जहाँ पिता को घर जैसा स्नेह और देखभाल मिल सके। इसी निराशा के दौर में किसी संवेदनशील व्यक्ति ने उन्हें तारा संस्थान की संस्थापक एवं अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल से मिलने की सलाह दी। बेटी तारा संस्थान पहुँची और अपनी पूरी पीड़ा साझा की। यह एक असामान्य स्थिति थी, क्योंकि तारा संस्थान के वृद्धाश्रम में इससे पहले कभी इतनी गंभीर अवस्था में किसी बेड–रिडन मरीज को प्रवेश नहीं दिया गया था। संस्थान के लिए यह एक बड़ा निर्णय और चुनौती दोनों थे। लेकिन परिस्थितियों की गंभीरता और मानवीय दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए संस्थापक एवं सचिव श्री दीपेश मित्तल तथा संस्थापक एवं अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने इसे एक चुनौती के रूप में स्वीकार किया और सेलवराज को वृद्धाश्रम में प्रवेश देने का निर्णय लिया। इसके बाद जो हुआ, वह किसी चमत्कार से कम नहीं था। तारा संस्थान के वृद्धाश्रम की मेडिकल टीम ने दिन–रात उनकी समर्पित देखभाल की। समय पर दवाइयाँ, पौष्टिक भोजन, नियमित निगरानी और स्नेहपूर्ण वातावरण ने धीरे–धीरे असर दिखाना शुरू किया। जो सेलवराज कभी नली के सहारे जीवन जी रहे थे, वे अब अपने हाथों से भोजन करने लगे हैं। उनकी बातचीत लौट आई है और स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। सेलवराज की कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब चिकित्सा के साथ संवेदना, सेवा के साथ समर्पण और व्यवस्था के साथ मानवता जुड़ जाए, तो असंभव भी संभव हो सकता है। तारा संस्थान का यह निर्णय न केवल एक वृद्ध को नया जीवन देने वाला सिद्ध हुआ, बल्कि यह समाज के लिए भी एक प्रेरणा बन गयाकृकि सच्ची सेवा वही है, जो सबसे कठिन समय में किसी का सहारा बने।

परिवार से दूर, सुकून की नई राह पर

किशोर कंदारी, उम्र 70 वर्ष, मूल रूप से पूना के रहने वाले हैं। जीवन में संघर्ष और मेहनत इनके स्थायी साथी रहे। बैंगलोर के एक होटल में सुपरवाइज़र की नौकरी करते हुए उन्होंने अपना अधिकतर जीवन कार्यस्थल पर ही बिताया – रहना, खाना सब वहीं था। वहीं दूसरी ओर उनका परिवार पूना में रहता था – पत्नी और एक बेटा – अपने ही घर में। लेकिन पारिवारिक जीवन कभी भी सहज नहीं रहा। चालीस वर्ष पहले ही उनकी पत्नी बेटे को लेकर उनसे अलग रहने लगीं और घर–परिवार की सारी संपत्ति भी अपने पास रख ली। समय बीतता गया, बेटा बड़ा हुआ, पढ़ा–लिखा और आज 43 वर्ष की उम्र में गूगल, पूना में एक अच्छी नौकरी कर रहा है। उसकी शादी भी हो चुकी है और एक प्यारी सी बेटी भी है। सब कुछ सुनने में सुखद लगता है, सिवाय उस दर्द के जो किशोर जी बरसों से अपने भीतर दबाए बैठे हैं। उनके एकमात्र बेटे की शादी में उन्हें न बुलाया गया, न ही इसकी जानकारी दी गई। यह एक ऐसी चोट थी जिसने उन्हें भीतर तक तोड़ दिया और आज भी इस बात का जिक्र आते ही उनकी आँखें भर आती हैं। उम्र बढ़ने के साथ नौकरी जारी रखना मुश्किल हो गया और अकेले रहने की परेशानियाँ भी बढ़ने लगीं। इसी कारण उन्होंने तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में रहने का निर्णय लियाकृजहाँ उन्हें सहारा, देखभाल और भावनात्मक सुरक्षा मिल सके। वे बताते हैं कि उनकी बहू उन्हें साथ रखना चाहती है, लेकिन उनकी पत्नी आज भी उन्हें अपनाने को तैयार नहीं। वर्षों पुरानी दूरी अब रिश्तों में स्थायी दरीचों जैसी हो गई है। आज किशोर कंदारी जी वृद्धाश्रम में सम्मान और स्नेह के साथ शांतिपूर्वक जीवन बिता रहे हैं। यहाँ उन्हें वह सहारा मिला है जिसकी उन्हें दशकों से आवश्यकता थी कृ कोई सुनने वाला, कोई समझने वाला, और एक ऐसा घर जहाँ वे बेफिक्र होकर जीवन के शेष पलों को जी सकें। तारा संस्थान ऐसे ही अनेक बुजुर्गों के लिए एक नया परिवार बनकर उनके अकेलेपन को अपनापन में बदल रहा है।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा सौजन्य (प्रतिबुजुर्ग)	वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन
1 वर्ष - 60000 रु., 6 माह - 30000 रु., 1 माह - 5000 रु.	**4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)**

एक अच्छा दिमाग और एक अच्छा दिल हमेशा से विजयी जोड़ी रहे है – नेलसन मंडेला

News in Brief : 1

वरिष्ठजन सम्मान समारोह

8 नवम्बर, 2025 को स्वरांजलि म्यूजिकल ग्रुप और तारा संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से वरिष्ठजन सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 65 वर्ष से अधिक आयु के 56 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान किया गया। वरिष्ठजनों को सम्मानित कर उनके जीवन अनुभव, योगदान और समाज में दिए गए अमूल्य सन्देश को याद किया गया।

जयपुर में स्नेह मिलन समारोह

9 नवम्बर, 2025 को तारा संस्थान द्वारा जयपुर के दानदाताओं के लिए स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 110 दानदाता उपस्थित रहे, जहाँ उन्होंने संस्थान के कार्यों पर अपने विचार साझा किए और सामाजिक सेवाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। संस्थान की ओर से सभी दानदाताओं का सम्मान किया गया, तथा उनके सहयोग और विश्वास के लिए आभार प्रकट किया गया।

शिवगंज में मेगा आँखों का शिविर

16 नवम्बर, 2025 को सिरोही जिले के शिवगंज में तारा संस्थान द्वारा आँखों की निशुल्क जाँच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन चयन हेतु मेगा कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 464 लोगों की आँखों की जाँच की गई, जिनमें से 121 लोगों में मोतियाबिंद पाया गया। चयनित सभी रोगियों का निशुल्क ऑपरेशन उदयपुर स्थित तारा संस्थान के अस्पताल में किया जाएगा।

आचार्य महाश्रमण जी महाराज का तारा संस्थान में आगमन

24 नवम्बर, 2025 को उदयपुर प्रवास के दौरान जैन धर्म गुरु आचार्य महाश्रमण जी महाराज साहब से तारा संस्थान के संस्थापक एवं सचिव श्री दीपेश मित्तल जी ने भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। यह सौभाग्यपूर्ण अवसर संस्थान के लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। शाम को उदयपुर में विहार के दौरान आचार्यश्री ने तारा संस्थान के वृद्धाश्रम पहुँचकर वहाँ के आवासियों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने प्रत्येक वरिष्ठ नागरिक का परिचय लेकर उनका हालचाल जाना, तथा सभी को करुणामई आशीष प्रदान किए।

पीढ़ियों का अद्‌भुत मेल – कॉलेज उत्सव में वृद्धाश्रम के आवासी मुख्य अतिथि

29 नवम्बर, 2025 को सेंट एंथोनी इंटर कॉलेज, प्रयागराज के वार्षिक उत्सव के अवसर पर तारा संस्थान के प्रयागराज वृद्धाश्रम के सभी आवासियों को मुख्य अतिथि के रूप में विशेष आमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठजनों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जहाँ उन्होंने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों का आनंद लेते हुए उनके उत्साह को सराहा। यह पहल पीढ़ियों के बीच स्नेह, सम्मान और संवाद का सुंदर उदाहरण बनी।

लुधियाना में पाँचवाँ स्नेह मिलन आयोजन

30 नवम्बर, 2025 को तारा संस्थान द्वारा लुधियाना के दानदाताओं हेतु पाँचवाँ स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें स्थानीय 55 दानदाता शामिल हुए। कार्यक्रम में संस्थान की विविध सेवाओं और चल रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी साझा की गई। दानदाताओं ने भी अपने सुझाव और विचार रखकर संस्थान के कार्यों को और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जहाँ चिकित्सा की कला को प्यार किया जाता है, वहाँ मानवता के लिए भी प्यार होता है

नि:शुल्क नेत्र जांच कैंप – उम्मीद की नई रोशनी

7 दिसम्बर, 2025 को तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा जैन युवा मंच एवं दिगंबर जैन समाज, मीरा रोड के सहयोग से तारा नेत्रालय, मुंबई द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन चयन शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री नरेंद्र जी मेहता (विधायक, मीरा भायंदर) उपस्थित रहे और इस सेवा कार्य की सराहना की।

तारा संस्थान द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में दृष्टि संरक्षण अभियान

13 दिसम्बर, 2025 को तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा सिरोही जिले के पोसालिया गांव में निःशुल्क नेत्र जाँच एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 253 लोगों की आँखों की जाँच की गई, जिनमें से 43 व्यक्तियों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। सभी चयनित मरीजों को आगे निःशुल्क ऑपरेशन एवं आवश्यक उपचार के लिए सूचीबद्ध किया गया।

स्नेह मिलन एवं दानदाता सम्मान समारोह – पुणे

13 दिसम्बर, 2025 को तारा संस्थान द्वारा पुणे, महाराष्ट्र में अपने दानदाताओं के लिए स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित दानदाताओं ने संस्थान के साथ अपने जुड़ाव एवं सामाजिक कार्यों को लेकर अपने–अपने विचार साझा किए। यह आयोजन आपसी संवाद, सम्मान और सहयोग की भावना को सुदृढ़ करने वाला रहा।

पुण्यस्मरण में सेवा–सचिन भाटिया जी की पुण्यतिथि पर भोजन सेवा

16 दिसम्बर, 2025 को तारा संस्थान द्वारा उदयपुर में संचालित सचिन भाटिया आई हॉस्पिटल में एक भावपूर्ण एवं सेवाभाव से परिपूर्ण आयोजन सम्पन्न हुआ। स्वर्गीय श्री सचिन भाटिया जी की पुण्यतिथि के अवसर पर उनके माता–पिता श्रीमती लता जी भाटिया एवं श्री लक्ष्मण दास भाटिया जी द्वारा अस्पताल में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए स्नेहपूर्वक भोजन सेवा का आयोजन किया गया।

आनन्द वृद्धाश्रम में एन.एस.एस. छात्राओं का सांस्कृतिक कार्यक्रम

16 दिसम्बर, 2025 को उदयपुर। तारा संस्थान द्वारा संचालित आनन्द वृद्ध आश्रम में आज राजकीय मीरा गर्ल्स कॉलेज की एन.एस.एस. इकाई की छात्राओं ने आश्रम का भ्रमण किया। इस अवसर पर छात्राओं द्वारा वृद्धजनों के लिए मधुर संगीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिससे आश्रम का वातावरण उल्लासपूर्ण हो गया।

माइंस सेफ्टी वीक 2025 में तारा संस्थान की सहभागिता

18 दिसम्बर, 2025 को 49वें माइंस सेफ्टी वीक 2025 (DGMS उदयपुर क्षेत्र के तत्वावधान में) के अंतर्गत जावर माइंस में आयोजित कार्यक्रम में तारा संस्थान द्वारा एक जानकारी स्टॉल लगाई गई। इस स्टॉल के माध्यम से आने वाले विज़िटर्स को तारा संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न निःशुल्क सेवा गतिविधियों एवं सामाजिक कार्यों की जानकारी दी गई।

शब्द ही जीवन को अर्थ दे जाते है, और, शब्द ही जीवन में अनर्थ कर जाते है

नेत्रालय मासिक अपडेट्स :

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी (गाजियाबाद) स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह नवम्बर से दिसम्बर, 2025 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर : भार्गव साहब - दिल्ली, चेतना इंडिया, अहमदाबाद, डीबीसीएस, जैन धर्मार्थ अस्पताल - नासिक, श्री जितेंद्र नंदा, श्री कैलाश चन्द्र गोयल, कमल मॉडल पब्लिक स्कूल - दिल्ली, मालाश्री फाउंडेशन - दिल्ली, एनपीसीबी, पिनेकल कैपिटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड - गुड़गाँव, प्रधान हार्डवेयर - लोनी, श्रीमती सुषमा - सत्यभूषण जैन - दिल्ली, एसबीआई फाउंडेशन, श्री चिरंजी लाल जैन - पंजाब, श्री महेन्द्र सिंह - उदयपुर, एस.एस. जैन श्रावक संघ - बैंगलोर, श्रीमती नीलम द्विवेदी - बैंगलोर, श्री हरिश चन्द्र जैन - जयपुर, श्री संजय जी - गोरखपुर

पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना : 8000 रुपये

तारा संस्थान, उदयपुर की यह विशेष पहल उन परिवारों के लिए समर्पित है जो अपने दिवंगत परिजनों की पुण्यतिथि पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करना चाहते हैं। इस योजना के अंतर्गत, परिवारजन 8,000 रुपये का योगदान देकर संस्थान के वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों के लिए भोजन सेवा का आयोजन कर सकते हैं। इस पावन अवसर पर दिवंगत आत्मा की तस्वीर प्रदर्शित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए जाएंगे, जिससे उनकी यादें और आशीर्वाद इस कार्य के माध्यम से जीवित रहेंगी। यह एक अद्वितीय अवसर है अपने प्रियजन की स्मृति को सेवा और मानवता के रूप में सम्मानित करने का।

हार्दिक श्रद्धांजलि

तारा संस्थान के इन दानदाताओं का स्वर्गवास हो गया। तारा संस्थान की ओर से भावपूर्ण श्रद्धांजलि।
हम प्रार्थना करते हैं कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति व उनके परिवार को सम्बल प्रदान करें।

स्व. श्रीमती राज जी जैन
देहरादून (उ.ख.)

स्व. श्रीमती सरोज जी दुबे
रायपुर (छत्तीसगढ़)

स्व. श्री रवि जी बिरला
गुड़गाँव

आदरणीय,

आपने वित्तीय वर्ष 2025-2026 में तारा संस्थान में दान देकर कई जरूरतमंद व्यक्तियों को राहत पहुँचाई। आपका अनेक धन्यवाद। अतः आपसे निवेदन है कि INCOME TAX के नियमानुसार यदि आप TAX में छूट चाहते हैं तो आपका PAN NO. संस्थान को देना जरूरी है। इसे हम अपने INCOME TAX RETURN के 10 BD में सूचित करेंगे तो ही आपको छूट मिलेगी। यदि आप छूट ना भी लेना चाहें तो आप निम्न में से कोई भी ID दे देवें।

• VOTER ID • AADHAR CARD • RASHAN CARD • PASSPORT •

यह भारत सरकार के नियमानुसार अनिवार्य है। कृपया आप इस व्हाट्सएप्प नम्बर 9549399993 पर सूचित करावें।

आदर सहित....!

कल्पना गोयल

'तारा परिवार का सौभाग्य है कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया'

श्री यशपाल जी, दिल्ली
श्री गया प्रसाद अग्रवाल
श्री नंदकिशोर मला, गाजियाबाद (उ.प्र.)
श्रीमती सरस्वती जी, भोपाल (म.प्र.)
श्रीमती विद्यावती शर्मा, पटियाला (पंजाब)
श्री सतपाल गोयल, पटियाला (पंजाब)
श्री माहीपाल यादव, दिल्ली
श्री चरणजीत मागो, दिल्ली

श्री वेद भास्कर शर्मा, जयपुर
श्री सुभाष चन्द्र जैन, जयपुर
श्रीमती शांता कुकरेजा, दिल्ली
श्री चन्द्रभान जी, दिल्ली
श्री संजय जैन, लुधियाना (पंजाब)
श्री प्रेम नारायण जी, लुधियाना (पंजाब)
श्री मनोज कुमार मिश्रा, कानपुर (उ.प्र.)
श्री प्रवेश चन्द्र जी, मेरठ (उ.प्र.)

श्री विजय परमार प्रसाद, गुड़गाँव
श्री एस.के. त्यागी, मेरठ (उ.प्र.)
श्री निवास जैन, मेरठ (उ.प्र.)
श्री लक्ष्मी नारायण जी, मेरठ (उ.प्र.)
श्री महावीर प्रसाद जैन, अहमदाबाद (गुज.)
श्री नवल किशोर जैन, अमहदाबाद (गुज.)
श्री माणक चन्द कटारिया, रतलाम (म.प्र.)
श्री विनीत कुमार जैन, दिल्ली

श्री अशोक मेहता, बैंगलोर
माही टॉयज, बैंगलोर
श्री पदम मोदी, बैंगलोर
श्री लालचन्द जैन, बैंगलोर
श्री देवेन्द्र कुमार जैन, दिल्ली
श्री शम्भूसिंह गौड़, रतलाम (म.प्र.)
श्री महावीर प्रसाद साहेवाल, अहमदाबाद (गुज.)
श्री प्रमोद कुमार जी, गाजियाबाद (उ.प्र.)

श्री अभिषेक चांडक, बैंगलोर
मेजर बिहारी लाल जी कालिया, कांगड़ा (हि.प्र.)
श्री कैलाश चन्द्र जी, बैंगलोर
ऋषभ ज्वेलर्स, बैंगलोर
श्री भंवर लाल खिवेड़ा, बैंगलोर
श्री कुंदन मालजी गाना, बैंगलोर
श्री सुनील जगरवाल, बैंगलोर
श्री ओम नारायण जी, बैंगलोर

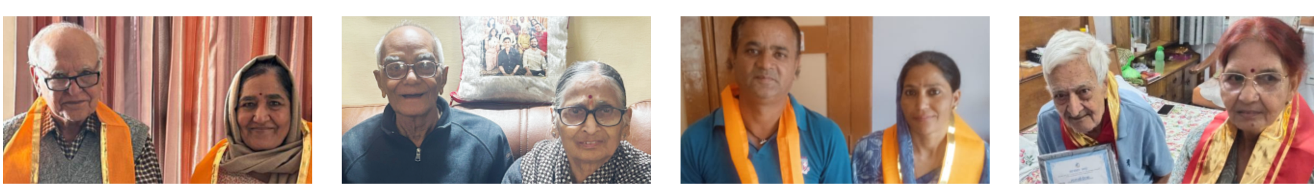

श्रीमती एवं श्री रामबीर चुघ, पंचकुला (हरि.)
श्रीमती एवं श्री सुरेश गुप्ता, पंचकुला (हरि.)
श्रीमती संगीता - श्री नारायण ला सोलंकी, सूखेरा
श्रीमती मधुबाला कथूरिया, फरीदाबाद

श्रीमती वेद प्रकाश शर्मा एवं कुमारी रंजना शर्मा, होशियारपुर (पंजाब)
श्रीमती एवं श्री बाबू राम शर्मा, मेरठ (उ.प्र.)
श्री चन्द्र शेखर गुप्ता, मेरठ (उ.प्र.)
श्री एवं श्रीमती निरुपमा मिश्रा, प्रयागराज (उ.प्र.)

यदि मंज़िल न मिले तो रास्ते बदलो ! क्योंकि वृक्ष अपनी पत्तियाँ बदलते हैं जड़े नहीं

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS CONTACT NUMBER LIST

Area Delhi Cell : 7821855747	**Area Delhi** Cell : 7821055717	**Area Delhi** Cell : 7821855741
Area Mumbai Cell : 7821855738	**Area Mumbai** Cell : 7821855751	**Area Jaipur (Raj.)** Cell : 9983560006
Area Lucknow (UP) Cell : 9358300777	**Area Punjab** Cell : 7821055718	**Area Jodhpur, Kanpur** Cell : 9001324709
Area Surat (Guj.) Cell : 7821855726	**Area Hyderabad** Cell : 7821855746	**Area Noida, Ghaziabad** Cell : 7821855750
Area Chandigarh (HR) Cell : 7821855756	**Area Nagpur, Pune** Cell : 7821855736	**Area Karnatak** Cell : 7230066286
Area Gurgaon, Faridabad Cell : 7821855758	**Area Raipur, Durg, Bilaspur (C.G.), Patna (Bihar)** Cell : 8696696345	
Area Uttarakhand Cell : 7229852227	**Area Ahmedabad (Guj.), Ratlam, Mandsaur, Neemuch (MP)** Cell : 7821855745	

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . A/c No. 004501021965. . . . . . . IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India . . . . A/c No. 31840870750 . . . . IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank. . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . A/c No. 912010025408491. . . IFSC Code : UTIB0000097
HDFC Bank. . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India . A/c No. 3309973967 . . . . IFSC Code : CBIN0283505
Punjab National Bank. A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : PUNB0874300
Bank of Baroda . . . . A/c No. 30250100014174 . . . . IFSC Code : BARB0HIRANM

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

Shri Sachin Bhatia Eye Hospital - Udaipur (Under Tara Sansthan, Udaipur)
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)-313002, Mob. No. 7821855749

Nirmala Devi Goyal Charitable Eye Hospital - Delhi (Under Tara Netralaya, Delhi)
371, Main Najafgarh Road, Opposite Metro Pillar No. 724, Nawada, Uttam Nagar, New Delhi-110059
Mob. No. 9560626661

Tara Netralaya - Mumbai
2nd Floor, Sneh Crown, Near Apna Ghar Phase - 3, Kala Silk, Silvar Sarita, Meera Village, Kashimira, Thane-401107 (Maharashtra)
Mob. No. 7821855748, 9529285557

Tara Netralaya - Faridabad
3 E / 12 & 13, Bungalow Plot, Pulia No. 3, Masjid Road, Near Church, Main Road, N.I.T. 3, Faridabad (HR)
Mob. No. 7821855758

Tara Netralaya - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney, Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road, Banthla Loni, Gaziabad-201102 (U. P.)
Mob. No. 7821855757

Smt. Krishna Sharma Anand Vruddhashram - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House) Sector – 14, J-Block, Udaipur-313001 (Raj.)
Mob. No. 7821055720

Maa Draupadi Devi Anand Vruddhashram - Udaipur
#351/352, Hiran Magri, (In the lane of Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House) Sector – 14, J-Block, Udaipur-313001 (Raj.)
Mob. No. 9773385330

Tara Sansthan Rajkiya Vruddhashram - Balicha
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai Show Room, South Extension, Balicha, Udaipur 313001
Mob. No. 7229852229

Ravindra Nath Gaur Anand Vruddhashram - Prayagraj
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Prayagraj - 211002 (U.P.), Mob. No. 7821855755

Mumukshu Bhawan - Varanasi
Ganga Ghat Gate No. 1, Near Neelkanth Temple, Kashi Vishvanath Corridor, Varanasi (U.P.)
Mob. No. 7230073331

Shikhar Bhargava Public School - Udaipur
H.O. Bypass Road, Gokul Village, Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.), Mob. No. 9636016973

Uma Rani Goyal Public School - Loni
Plot No. 24A, Ram Vihar Colony, Loni, Ghaziabad (U.P.)
Mob. No. 9549399993

Masti Ki Pathshala - Udaipur
68, Satyadev Colony 2, Sector 9, Kachi Basti, Savina, Udaipur (Raj.), Mob. No. 9829652908

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, नवम्बर - दिसम्बर 2025
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर
समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2021-2023
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग - सौजन्य राशि

सहयोग राशि

आजीवन विशिष्ठ संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 3 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन

आजीवन सदस्य 11000 रु.

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 59500 रु., 9 ऑपरेशन - 31500 रु., 6 ऑपरेशन - 21000 रु., 3 ऑपरेशन - 10500 रु., 1 ऑपरेशन - 3500 रु.

अन्नदान योजना (तृप्ति) प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री

1 वर्ष - 18000 रु., 6 माह - 9000 रु., 1 माह - 1500 रु.

विधवा मासिक पेंशन (गौरी) प्रति विधवा

1 वर्ष - 12000 रु., 6 माह - 6000 रु., 1 माह - 1000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)

1 वर्ष - 60000 रु., 6 माह - 30000 रु., 1 माह - 5000 रु.

वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन

4000 रु. (एक समय / प्रतियूनिट)

पुण्यतिथि भोजन सेवा योजना

8000 रु.

मस्ती की पाठशाला

वार्षिक शिक्षा 6000 रु. एवं भोजन 5000 रु. (60 बच्चे / 1 समय)

उमा रानी गोयल पब्लिक स्कूल, लोनी (गाजियाबाद)

12000 रु. प्रति विद्यार्थी वार्षिक शिक्षण सहयोग

काशी विश्वनाथ में 50 निर्धनों को भोजन दान 2100 रु.

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI BANK (MADHUBAN)
A/c No. 004501021965 IFSC Code : ICIC0000045

STATE BANK OF INDIA
A/c No. 31840870750 IFSC Code : SBIN0011406

AXIS BANK
A/c No. 912010025408491 IFSC Code : UTIB0000097

HDFC
A/c No. 12731450000426 IFSC Code : HDFC0001273

PUNJAB NATIONAL BANK
A/c No. 8743000100004834 IFSC Code : PUNB0874300

BANK OF BARODA
A/c No. 30250100014174 IFSC Code : BARB0HIRANM

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

मोबाइल से स्केन कर हाथों हाथ सहयोग भेजें।

Donation Through UPI

FOLLOW US

www.instagram.com/tarasansthan
www.facebook.com/TaraSansthan
www.youtube.com/@TaraSansthanNGO
www.x.com/sansthantara
www.linkedin.com/company/tara-sansthan

काशी विश्वनाथ कोरीडोर में तारा संस्थान द्वारा संचालित **मुमुक्षु भवन** के बुजुर्गों के एक समय के भोजन हेतु दान सहयोग राशी 3100 रु.

Tara
TARA SANSTHAN
तारा संस्थान

+91 9549399993
+91 9649399993

बुक पोस्ट

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन, 236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org, Website : www.tarasansthan.org